বুলুগুল মারাম

হাদিস নাম্বারঃ ৬৫৮

পর্ব - ৫ঃ সিয়াম (كتاب الصيام)

পরিচ্ছেদঃ সময় হওয়ার সাথে সাথেই তাড়াতাড়ি ইফতার করা মুস্তাহাব

আরবী

وَعَنْ سَهْلِ بْنِ سَعْدٍ ـ رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمَا؛ أَنَّ رَسُولَ اللَّهِ ـ صلى الله عليه وسلم ـ قَالَ: «لَا يَزَالُ النَّاسُ بِخَيْرٍ مَا عَجَّلُوا الْفِطْرَ». مُتَّفَقٌ عَلَيْهِ

صحيح. رواه البخاري (1757)، ومسلم (1098) وانظر ـ رعاك الله ـ إلى قول النبي صلى الله عليه وسلم هذا، وإلى فعل الناس الآن، فإنهم قد ساروا على الحساب الفلكي وزادوا فيه احتياطا، حتى إن إفطار الناس اليوم لا يكون إلا بعد دخول الوقت الشرعي بحوالي عشر دقائق، وعندما تناقش بعضهم ـ وإن كان ينتسب إلى العلم ـ تسمع منه ما هو بعيد تماما عن الأدلة، بل وترى التنطع، إذ قد يكون بعضهم في الصحراء ويبصر بعينيه غروب الشمس لكنه لا يفطر إلا على المذياع، فيخالف الشرع مرتين. الأولى: بعصيانه في تأخير الفطر، والثانية: في إفطاره على أذان في غير المكان الذي هو فيه، وأنا أعجب والله من هؤلاء الذين يلزمون ـ من جملة من يلزمون ـ ذلك البدوي في الصحراء بالإفطار على الحساب الفلكي الذي ربما لم يسمع عنه ذلك البدوي أصلا، ولا يلزمونه بما جاءت به الشريعة وبما يعرفه البدوي وغيره، ألا وهو قوله صلى الله عليه وسلم: «إذا أقبل الليل من هاهنا، وأدبر النهار من هاهنا، وغربت الشمس فقد أفطر الصائم». متفق عليه. وعلى هذا كان فعل النبي صلى الله عليه وسلم وأصحابه والسلف الصالح، ولذلك كانوا في خير عظيم، وأما نحن فيكفي أن تنظر إلى حالنا لتعلم أين نحن. والله المستعان. وانظر «الإلمام بآداب وأحكام

الصيام» ص (21 و 30)

বাংলা

৬৫৮. সাহল ইবনু সা’দ (রাঃ) হতে বর্ণিত যে, আল্লাহর রসূল সাল্লাল্লাহু আলাইহি ওয়াসাল্লাম বলেছেনঃ লোকেরা যতদিন শীঘ্র ইফতার করবে, ততদিন তারা কল্যাণের উপর থাকবে।[1]

English

Sahl bin Sa'd (RAA) narrated That the Messenger of Allah (ﷺ) said: "People will always be fine (on the right path, or following the Sunnah) as long as they hasten to break their fast (in Ramadan)." Agreed upon.

ফুটনোট

[1] বুখারী ১৯৫৭, মুসলিম ১০৯৮, তিরমিযী ৬৯৯, ইবনু মাজাহ ১৬৯৭, আহমাদ ২২৩৬৩, ২২৩৫২, মুওয়াত্তা মালেক ৬২৮

হাদিসের মান: সহিহ (Sahih) পুনঃনিরীক্ষিত

পাবলিশারঃ তাওহীদ পাবলিকেশন বর্ণনাকারীঃ সাহল বিন সা'দ (রাঃ)

Link — https://www.hadithbd.com/hadith/link/?id=70469

হাদিসবিডির প্রজেক্টে অনুদান দিন